



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 57] नई दिल्ली, बुधवार, मई 9, 1984/वैशाख 19, 1906
No. 57] NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 9, 1984/VAISAKHA 19, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

संकल्प

नई दिल्ली, 1 मई, 1984

संख्या एक० 1(27) बी० (ए० सी०)/84 :—
भारत सरकार वित्तीय वर्ष में परिवर्तन करने के प्रश्न
पर विचार करने के लिए आर्थिक सुधार प्रशासन आयोग
के अध्यक्ष, श्री एल० के० झा की अध्यक्षता में एक समिति
नियुक्त करती है। समिति के सदस्य ये हैं :

1. सदस्य योजना आयोग (उपाध्यक्ष
द्वारा नामजद) सदस्य
2. सचिव (व्यय) सदस्य
3. डिप्टी गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक
(भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर
द्वारा नामजद) सदस्य
4. भारत के उप-नियंत्रक महालेखा-
परीक्षक सदस्य
5. अध्यक्ष, कृषि मूल्य आयोग सदस्य

6. अध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य और
उद्योग मंडल महासंघ (फिक्की) सदस्य

7. अध्यक्ष, एसोशिएटेड चेम्बर्स आफ
कामर्स एण्ड इन्डस्ट्री सदस्य

8. निम्नलिखित राज्यों के वित्तीय
आयुक्त/वित्त सचिव

- (i) महाराष्ट्र सदस्य
- (ii) उत्तर प्रदेश सदस्य
- (iii) तमिलनाडु सदस्य
- (iv) बिहार सदस्य

9. श्री जी० बी० रामकृष्ण, आई० ए० एस० सदस्य-सचिव

2. समिति के विचारार्थ विषय ये होंगे :

समिति वित्तीय वर्ष के शुरू होने की विभिन्न तारीखों
जिनमें मौजूदा तारीख भी शामिल है, की जांच करेगी और
ऐसा करते समय इन बातों को ध्यान में रखेगी (i) आलू
वित्तीय वर्ष की उत्पत्ति और वित्तीय वर्ष में परिवर्तन की
वांछनीयता के बारे में इससे पहले किए गए अध्ययन; (ii)
केन्द्रीय मंत्रिमंडल के सदस्यों और राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा

वित्त मंत्री को सबसे हाल में भेजे गए विचार; (iii) (क) केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकारों की प्राप्तियों और व्यय के सही अनुमान तैयार करने; (ख) विभिन्न कृषि फसलों की अवधियों के प्रभाव; (ग) वित्तीय वर्ष और कार्यकारी मौसम के परस्पर संबंध; (घ) निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करने और वज्र कार्य को निपटाने में विधान मंडलों की सुविधा; (ङ) संख्यिकी और अंक संकलन (च) कराधान प्रणालियों तथा प्रक्रियाओं और (छ) अन्य संगत मामलों की दृष्टि से वित्तीय वर्ष का उपयुक्तता।

समिति सभी संगत मामलों की सम्यक जांच करने के बाद वित्तीय वर्ष के शुरू होने की किसी ऐसी तारीख की सिफारिश कर सकती है, जो उसकी राय में देश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त हो।

यदि वित्तीय वर्ष में परिवर्तन की सिफारिश की जाएगी तो समिति परिवर्तन करने का तरीका भी बताएगी। इसमें अन्य बातों के साथ-साथ यह बातें शामिल होंगी:— (i) संक्रमण-काल का निर्धारण (ii) संक्रमण-काल के दौरान कर संबंधी कानूनों में परिवर्तन (iii) वे संशोधन, जो विभिन्न संविधियों में किए जाने आवश्यक हों; (iv) आयोजना की अवधियों और वित्त आयोग की सिफारिशों की व्याप्ति में परिवर्तन; और (v) लेखापालन संबंधी प्रक्रियाओं में परिवर्तन।

3. समिति से अपनी रिपोर्ट अक्टूबर, 1984 से पहले प्रस्तुत करने का अनुरोध किया जाता है।

नई दिल्ली, 8 मई, 1984

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति समिति के अध्यक्ष और सदस्यों के पास भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

ए० रंगाचारी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE (Department of Economic Affairs)

RESOLUTION

New Delhi, the 1st May, 1984

No. F. 1(27)B(AC) 84.—The Government of India is pleased to constitute a Committee to go into the question of change in the financial year under the Chairmanship of Shri L. K. Jha, Chairman, Economic Reforms Administration Commission. The members of the Committee are:—

1. Member, Planning Commission (Nominated by Dy. Chairman) —Member
2. Secretary (Expenditure) —Member
3. Deputy Governor, Reserve Bank of India —Member
(Nominated by Governor, Reserve Bank of India)

4. Deputy Comptroller and Auditor General of India —Member
5. Chairman, Agricultural Prices Commission —Member
6. President, Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry —Member
7. President, Associated Chambers of Commerce and Industry —Member
8. Financial Commissioners/Finance Secretaries of—
(i) Maharashtra —Member
(ii) Uttar Pradesh —Member
(iii) Tamil Nadu —Member
(iv) Bihar —Member

9. Shri G. V. Ramakrishna, I.A.S.

—Member Secretary

2. The terms of reference to the Committee will be as follows:

The Committee shall examine the various dates for the commencement of the financial year including the existing date taking into account (i) the genesis of the current financial year and the studies made in the past on the desirability of change in the financial year; (ii) the latest views communicated to the Minister of Finance by the Central Cabinet Ministers and the State Chief Ministers; (iii) the suitability of the financial year from the point of view of (a) correct estimation of receipts and expenditure of Central and State Governments; (b) the effect of the different agricultural crop periods; (c) the relationship of financial year to the working season; (d) the convenience of the legislatures for transacting budget work and touring constituencies; (e) statistics and data collection; (f) taxation systems and procedures and (g) other relevant matters.

The Committee after due examination of all relevant factors may recommend the date of commencement of the financial year which in its view is the most suitable for this country.

In case a change in the financial year is recommended, the Committee will also work out the modalities for effecting the change. This will *inter-alia* include (i) the determination of a transitional period; (ii) the change in tax laws during the transitional period; (iii) the amendments that may be required in various statutes; (iv) changes in the periods of Plan and the coverage of the recommendations of the Finance Commission; and (v) in the accounting procedures.

3. The Committee is requested to submit its report before the end of October, 1984.

New Delhi, the 8th May, 1984

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to the Chairman and the Members of the Committee.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. RANGACHARI, Jt. Secy.